सुस्मिता दास

अकादेमी पुरस्कारः संगीत की अन्य प्रमुख परम्पराएँ (सुगम संगीत)

ओडिशा के कटक में 2 नवंबर 1965 को जन्मी, श्रीमती सुस्मिता दास अपने सार्थक मधुर गीतों के लिए प्रसिद्ध हैं।

आपका लगातार प्रयास रहा है कि श्रोताओं को मूल्य आधारित संगीत शैली की ओर आकर्षित किया जाए। आपने कोशिश की है कि लोक और आदिवासी विषयों के साथ साहित्यिक और पारम्परिक गीतों को इस अंदाज में पेश किया जाए कि सुनने वाले को नया आस्वाद मिले। आपने पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छ भारत जैसे अभियानों को केन्द्र में रखकर गीतों का सृजन किया है जिससे कि सुनने वालों में उपरोक्त विषयों पर जागरूक बनाया जा सके। तांत्रिक बौद्ध धर्म और योगिनी पंथ के रहस्यवाद पर उनकी प्रयोगात्मक रचनाएँ विशेष रूप से प्रशंसनीय हैं।

सुगम संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए आपको देश की कई प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया है।

श्रीमती सुस्मिता दास को सुगम संगीत में योगदान के लिए वर्ष 2021 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SUSMITA DAS

Akademi Award: Other Major Traditions of Music (Sugam Sangeet)

Born on 2 November 1965 at Cuttack in Odisha, Shrimati Susmita Das is well known for her melodious songs based on meaningful lyrics.

Her persistent efforts has been to draw listeners towards works of literature with folk and tribal themes and towards traditional songs by creating a genre of music based on values. She has strived to create awareness on contemporary topics that impact us, by her delicate treatment of issues like environmental conservation, women's empowerment, campaign for a clean India, etc. Her experimental pieces on the mysticism of Tantric Buddhism and the Yogini cult are praiseworthy.

For her contribution in the field of Sugam Sangeet, she has been honoured by many prestigious cultural institutions of the country.

Shrimati Susmita Das receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2021 for her contribution to Sugam Sangeet.